Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
BY- ABHAY SIR

शंघाई सहयोग संगठन

- चर्चा में क्यों :– हाल ही में कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन 2024 की समिट का आयोजन किया जा रहा है

- इस समिट में निम्नलिखित देशों के राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल होने वाले हैं :– रूस, पाकिस्तान, चीन और तुर्किये।

- भारत भी शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य है किंतु इस बार समेत में भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री ना करके विदेश मंत्री करने वाले हैं

- तुर्किये इस संगठन का सदस्य नहीं है किंतु तुर्किये के राष्ट्रपति विशेष आमंत्रण के तहत इस समिट में शामिल होंगे

- 2023 के पर्यवेक्षक देश :– अफ़ग़ानिस्तान ओर मंगोलिया।
- ‘डायलॉग पार्टनर’ देश :– तुर्की और सऊदी अरब।

क्या है एससीओ:–

- एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन।
- लक्ष्य :– क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखना।
- स्थापना :– वर्ष 2001 में।

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन में शामिल देश:–

- भारत, चीन, रूस , कजाखिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान , पाकिस्तान
- SCO चार्टर :– 2002 में हस्ताक्षर किये जबकि 2003 में लागू।

उद्देश्य:

- सदस्य देशों के बीच :–
- आपसी विश्वास को निर्मित और मज़बूत करना।
- व्यापार, राजनीति ,अर्थव्यवस्था, अनुसंधान एवम प्रौद्योगिकी एवं संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग करना।
- ऊर्जा, परिवहन, शिक्षा, पर्यटन, पर्यावरण आदि को बढ़ावा देने के लिए सदस्य देशों का सहयोग करना।

- SCO की संरचना:
- राज्य परिषद का प्रमुख:
- SCO की सर्वोच्च निकाय।
- कार्य :– आंतरिक कामकाज़ तथा अन्य सदस्य व गैर सदस्य राज्यों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ संबंधों का निर्धारण करना है एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार करता है।

- सरकारी परिषद का प्रमुख:
- बजट को मंज़ूरी देने का कार्य करता है।
- विदेश मंत्रियों की परिषद:
- दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों से संबंधित मुद्दों का निर्धारण।
- SCO सचिवालय: चीन के बीजिंग में।

आधिकारिक भाषा:

- आधिकारिक और कामकाज़ी भाषा रूसी तथा चीनी।

SCO बनाने की जरूरत क्यों :–

- सोवियत संघ का विभाजन 1991 में कई हिस्सों में।

विभाजन से उपजी समस्या :–

- रूस तथा नव निर्मित पड़ोसी देशों के बीच बाउंड्री तय नहीं , जिस कारण सीमा विवाद शुरू।
- सीमा विवाद से उत्पन्न होने वाली जंग की स्थिति को रोकने के लिए रूस को एक संगठन की आवश्यकता।

- रूस को यह भी डर था कि कहीं चीन इन नवनिर्मित राष्ट्रों की सीमा को या क्षेत्र को अपने अधीन न कर ले।

- इन सभी समस्याओं के निवारण के रूप में रूस ने 1996 में चीन और पूर्व सोवियत देशों को मिलाकर एक संगठन बनाया।

- इस संगठन का ऐलान शंघाई शहर में किया गया था और इसमें आरंभ में पांच देश शामिल थे इसीलिए इस संगठन को शंघाई फाइव नाम दिया गया।

- 5 संस्थापक सदस्य देश :– रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान।

- इस संगठन के निर्माण के सकारात्मक परिणाम देखे गए तथा सभी प्रकार के सीमा विवादों को सुलझा लिया गया

- 2001 में उज्बेकिस्तान ने जोड़ने का प्रस्ताव रखा तथा इस संगठन का नाम शंघाई 5 से हटाकर शंघाई सहयोग संगठन कर दिया गया।

- भारत और पाकिस्तान साल 2017 में इस संगठन में शामिल हुए थे, जबकि ईरान वर्ष 2023 में इसका सदस्य बना.

- SCO के देशों में रहती है दुनिया की 40% आबादी

भारत

- एरिया: 32.87 लाख वर्ग किमी
- आबादी: 138 करोड़
- GDP: 3.17 ट्रिलियन डॉलर

चीन

- एरिया: 96 लाख वर्ग किमी
- आबादी: 140 करोड़
- GDP: 17.73 ट्रिलियन डॉलर

रूस

- एरिया: 1.71 करोड़ वर्ग किमी
- आबादी: 14.41 करोड़
- GDP: 1.71 ट्रिलियन डॉलर

पाकिस्तान

- एरिया: 7.96 लाख वर्ग किमी
- आबादी: 21 करोड़
- GDP: 347 बिलियन डॉलर

कजाकिस्तान

- एरिया: 27.25 लाख वर्ग किमी
- आबादी: 1.88 करोड़
- GDP: 190.81 बिलियन डॉलर

तजाकिस्तान

- एरिया: 1.41 लाख वर्ग किमी
- आबादी: 95.4 लाख
- GDP: 8.75 बिलियन डॉलर

उज्बेकिस्तान

- एरिया: 4.47 लाख वर्ग किमी
- आबादी: 3.42 करोड़
- GDP: 69.24 बिलियन डॉलर

किर्गिस्तान

- एरिया: 1.99 लाख वर्ग किमी
- आबादी: 66 लाख
- GDP: 8.54 बिलियन डॉलर

- एससीओ का महत्व :– सदस्य देशों में पूरी दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी , जीडीपी में एससीओ देशों के पास दुनिया की जीडीपी में 20 फीसदी हिस्सेदारी जबकि पूरे तेल रिजर्व का 20 फीसदी हिस्सा इन्हीं सदस्य देशों के पास है।

भारत के सामने एससीओ को लेकर चिंताएं :–

1. चीन तथा पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध ना होना।
2. तुर्की का प्रभाव एससीओ में बढ़ाना।
3. रूस यूक्रेन युद्ध।

'SEBEX 2'

- चर्चा में क्यों :– हाल ही में भारत ने सबसे शक्तिशाली तथा गैर परमाणु विस्फोटक 'SEBEX 2' का निर्माण किया है
- किसने बनाया :– इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (EEL) ने।
- यह सोलर इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी है
- इस विस्फोटक का परीक्षण नौसेना के द्वारा किया गया

विशेषता :–

- इस विस्फोटक को एक नई विधि से तैयार किया गया है।
- यह विश्व में मौजूद सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु विस्फोटकों में से एक है।
- SEBEX 2 के साथ ही भारतीय नौसेना ने SITBEX 1 (थर्मोबेरिक विस्फोटक) और SIMEX 4 का निर्माण भी किया है
- SITBEX 1 :– यह थर्मोबेरिक विस्फोटक है जिसकी विशेषता उच्च ऊष्मा के साथ अधिक अवधि का विस्फोट उत्पन्न करना है।
- उपयोग :– दुश्मन के बंकरों, सुरंगों और अन्य किलेबंद स्थानों को नष्ट करने में।

SEBEX 2 :–

- यह हाई मेल्टिंग विस्फोटक (HMX) तकनीक पर आधारित विस्फोटक है।
- उपयोग :– पारंपरिक वारहेड्स, हवाई बम और अलग-अलग प्रकार के गोला-बारूद के रूप में।

'विश्व मृदा स्वास्थ्य सूचकांक' (World Soil Health Index)

- यूनेस्को ने नए की घोषणा की

- चर्चा में क्यों:– हाल ही में यूनेस्को के द्वारा मोरक्को में "अंतर्राष्ट्रीय मृदा सम्मेलन" की घोषणा की गई।

- सूचकांक के उद्देश्य :– दुनियाभर के पारिस्थितिकी तंत्रों में उपलब्ध मृदा की गुणवत्ता का परीक्षण तथा विशलेषण करना ।

- मृदा क्षरण की प्रवृत्ति का पता लगाना।

मृदा क्षरण के बारे में

- मृदा की गुणवत्ता में भौतिक, रासायनिक और जैविक गिरावट को मृदा क्षरण कहते है।
- मृदा क्षरण से उसे स्थान पर उपस्थित समुदायों की उत्पादन क्षमता कम हो जाती है

मृदा क्षरण की स्थितिः

- विश्व मरुस्थलीकरण एटलस द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भूमि का 75% क्षरण पहले ही हो चुका है।
- 75% क्षरण होने से 3.2 बिलियन लोगों लोग प्रवाबित होंगे ।

- रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि 2050 तक 90% भूमि का क्षरण हो जाएगा

भारत में मृदा क्षरण की स्थिति:

- लगभग 32% भूमि क्षरित जबकि 25% भूमि मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया के दौर में।

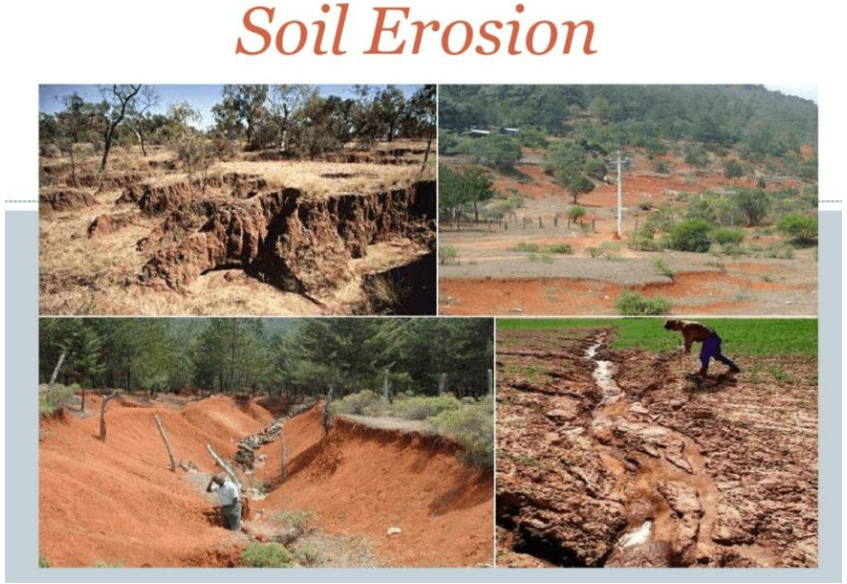

मृदा क्षरण के लिए जिम्मेदार कारक:

- औद्योगिक प्रदूषण
- वनों की कटाई
- कृषि की असंधारणीय विधियां

- वायु एवम जल तथा अन्य प्राकृतिक स्रोतों का प्रदूषण।
- मृदा क्षरण के प्रभाव :–
- मृदा उर्वरता में कमी ।
- पौधों की वृद्धि और कृषि उत्पादन में कमी।
- ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन में वृद्धि।